

हतश्री वि. (तत्.) 1. जिसकी प्रभा या कांति नष्ट हो गई हो 2. निष्प्रभ, कांतिहीन, श्रीहीन 3. जिसका सौंदर्य नष्ट हो गया हो 4. जिसका वैभव नष्ट हो गया हो, धनहीन।

हतसंज्ञ वि. (तत्.) संज्ञाहीन, अचेत, मूर्च्छित, बेहोश।

हता/हतो स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसका चरित्र/शील नष्ट हो गया हो, व्यभिचारिणी **अ.क्रि.** (तद्.) ब्रजभाषा में 'होना' क्रिया का भूत कालिक रूप जैसे- एक राजा हतो।

हताई स्त्री. (तद्.) 'हत' या 'आहत' होने की अवस्था या भाव।

हतादर वि. (तत्.) [हत+आदर] जिसका आदर-सम्मान नष्ट हो गया हो, अनादर।

हताना अ.क्रि. (तद्.) मारा जाना **स.क्रि.** हतवाना, मरवाना।

हताश वि. (तत्.) जिसकी आशा नष्ट हो गई हो, निराश, भग्नाश।

हताशा स्त्री. (तत्.) निराशा।

हताश्रय वि. (तत्.) जिसका आश्रय या सहारा नष्ट हो गया हो, बेसहारा, आश्रयहीन, निराश्रय।

हताश्वास वि. (तत्.) जिसे कहीं से कोई आश्वासन न मिल रहा हो, निराश, हताश।

हताहत वि. (तत्.) मृत और घायल, हत और आहत।

हति स्त्री. (तत्.) 1. वध, हत्या 2. आघात 3. हानि 4. विफलता, असफलता **क्रि.वि.** (तद्.) मार कर, नष्ट करके।

हतियार पुं. (देश.) हथियार, शस्त्र, हाथ में रखकर चलाये जाने वाले शस्त्र जैसे- तलवार, बंदूक आदि।

हतोत्तर वि. (तत्.) जो प्रश्न का उत्तर न दे सके, निरुत्तर।

हतोत्साह वि. (तत्.) जिसका उत्साह नष्ट हो गया हो, निरुत्साह, उत्साह हीन।

हतोस्मि वि. (तत्.) 1. मारा गया हूँ, हत हुआ हूँ 2. हाय।

हत्थ पुं. (तद्.) हस्त, हाथ।

हत्था पुं. (तद्.) 1. किसी वस्तु का हाथ से पकड़ा जाने वाला भाग जैसे- नल का हत्था 2. हाथ से चलाए जाने वाले बड़े औजारों और छोटी मशीनों का वह हिस्सा, जिसे हाथ से पकड़कर घुमाने या चलाने से वे चलते हैं, दस्ता (हैंडिल अं.) 3. कुछ विशिष्ट प्रकार के ऐसे औजार, जो प्रायः हाथ जैसा काम करते हैं जैसे- करघे का हत्था, नालियों में से खेतों में पानी उलीचने का हत्था 4. तलवार आदि का दस्ता, मूठ 5. हाथ का छपा जो पूजन के समय कभी-कभी कपड़ों या दीवारों पर लगाया जाता है 6. कुर्सी की भुजा 7. केले के फलों का बड़ा गुच्छा, पंजा।

हत्था-जड़ी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का छोटा पौधा जिसकी पत्तियों का रस घाव, फोड़े और विषैले जानवरों के डंक लगने पर लगाया जाता है।

हत्था-जोड़ी स्त्री. (देश.) सरकंडे की वह जड़, जो दो मिले हुए पंजों के आकार की होती है।

हत्थी पुं. (तद्.) हाथी, गज।

हत्थी स्त्री. (तद्.) 1. हथेली 2. मशीन आदि औजार का छोटा हत्था 3. पहलवानों द्वारा डंड पेलते समय हाथों के नीचे रखे जाने वाले पत्थर आदि के चौकोर छोटे टुकड़े 4. कढ़ाई में खौलते हुए गन्ने के रस को चलाने हेतु प्रयुक्त लकड़ी का हत्था या औजार 5. वह चमड़े का टुकड़ा जिसे छीपी लोगों द्वारा कपड़े छापते समय हाथ में लगा लिया जाता है 6. साईस लोगों द्वारा घोड़ों का बदन पोंछने के लिए हाथ में पहनी जाने वाली थैली 7. गुप्त रूप से अथवा बुरे उद्देश्य से दिया जाने वाला प्रोत्साहन 8. पीतल के दाँतों से युक्त जुलाहों की वह लकड़ी जिसे कपड़ा बुनते समय उसे ताने रहने के लिए करघे में लगाया जाता है।

हत्थबाह पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. पीपल।

हत्या स्त्री. (तत्.) 1. वध, किसी को मार डालने की क्रिया, खून। जान से मार देना मुहा. हत्या